AE-1009

B.A. Private (Part - I)
Term End Examination, 2016-17

SANSKRIT LITERATURE

Paper - II

गद्य, कथा एवं साहित्येतिहास

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर सुवाच्य अक्षरों में दीजिए।

इकाई-I

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2

(क) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षाल्ननिर्मलापि कालुष्यमुत्पादपति बुद्धिः। अनुज्ज्ञितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिर। तिदूरमात्मेच्छया यौवन समपे पुरुषःप्रकृति।

(ख) आलोकयतु तावकल्याणामिनिवेशी लक्ष्मीमेव प्रथमम्। इयं हि खड्गमण्डलोत्पलवनविभ्रम भ्रमरी लक्ष्मी: क्षीरसागरात्पारिजात पल्लवेभ्यो रागम्। इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम्, उच्चै: भ्रवसश्चञ्चलताम्, कालकूटान्मोहनशक्तिम्।

(ग) गड्मेव वसुजनन्यपि तरंगबुद्बुदचंचला। दिवसकर गतिरिवप्रकटितविविध संक्रान्ति:। पातालगुहेव तमो वहुला। हिव्रम्बेव भीमसाहसैकहार्यहृदया। प्रवृद्रिवाचिरधुति- कारिणी। दुष्टविचाराचीव दर्शितानेकपुरुषोच्छाया स्वल्पसत्वमुन्मत्ती करोति। सरस्वती परिगृहीतमीर्ष्ययेव नालिङ्गति।

(घ) अपरेतु स्वार्थ निष्पादनपरैर्धनपिशितग्रासगृ ध्ररौस्थाननलिनी घूर्तबकैधूतं विनोद इति, परदारागमनम् वैदग्धमिति, मृगया भ्रम इति, पानं विलास इति अप्रमत्ततां शौर्यमिति स्वदार- परित्यागमव्यसनितेति। गुरुवचनावधी रणमपरप्रयेणत्वमिति, अजितभृत्यनां सुखोपसेव्यत्वमिति।

इकाई-II

2. किन्हीं **दो** श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्। 20
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति घनाद्धर्म: तत: सुखम्॥

(ख) आयुः कर्म च वित्तं च विद्या निधमेव च।
पञ्चैतान्यपि सृज्यन्ते गर्भस्थस्चैव देहिनः॥

(ग) मातृवत्परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत।
आत्मवत्सर्वभूतेषु मः पश्यति सः पण्डितः॥

इकाई-III

3. ''कादम्बरीरसज्ञानऽहारोऽपि न रोचते।'' इस कथन की सार्थकता लिखिए। 10

अथवा

हितोपदेश की वर्तमान उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-IV

4. संस्कृत नाटकों के उत्पत्ति एवं विकाश पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

सर्वश्रेष्ठ नाटककार कालिदास के नाट्य-तत्व को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-V

5. निम्नलिखित महाकवियों में से किन्हीं **दो** का प्रमुख परिचय दीजिए : 10

(क) कालिदास

(ख) महाकवि हर्ष

(ग) अम्बिकादत्त व्यास

(घ) भारवि